

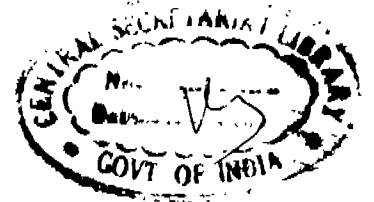
भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)
PART II—Section 3—Sub-section (iii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 138]
No. 138]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 5, 1996/श्रावण 14, 1918
NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 5, 1996/SRAVANA 14, 1918

भारत निर्वाचन आयोग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 अगस्त, 1996

आ. अ. 203(अ).—यतः, लोक प्रतिनिधित्व (संशोधन) अधिनियम 1996 (1996 का 21) द्वारा यथा-संशोधित लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 52 के स्पष्टीकरण के साथ पठित, धारा 38 की उपधारा (1) में यह प्रावधान है कि किसी अभ्यर्थी को, जिसे किसी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल द्वारा खड़ा नहीं किया गया है, उसे संसदीय या विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन के लिए विधिवत् नाम निर्देशित नहीं समझा जाएगा जब तक कि उसका नाम निर्देशन पत्र दस प्रस्तावकों द्वारा, जो निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक हों, हस्ताक्षरित नहीं किया जाता ;

2. और यतः, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 38 की उप धारा (1) में किए गए उपर्युक्त संशोधन का प्रभाव यह है कि किसी संसदीय या विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में किसी अभ्यर्थी का नाम निर्देशन जिसे या तो किसी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दल ने खड़ा किया हो या राज्य में मान्यता प्राप्त किसी राष्ट्रीय दल ने या उन राज्यों में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दल जहां कि यह इस प्रकार राष्ट्रीय दल के रूप में मान्यता प्राप्त है, खड़ा किया हो, प्रस्तावक के रूप में निर्वाचन क्षेत्र के केवल एक निर्वाचक द्वारा हस्ताक्षरित होना अपेक्षित होगा ।

3. और यतः, निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आबंटन) आदेश, 1968 में यह अधिकथित है कि किसी अभ्यर्थी को किसी संसदीय या विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचन में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राष्ट्रीय दलों सहित किसी राजनैतिक दल द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी कब समझा जाएगा, और इसमें निम्नलिखित प्रावधान हैं :—

“13. किसी अभ्यर्थी को किसी राजनैतिक दल द्वारा खड़ा किया गया कब समझा जाएगा :—

इस आदेश के प्रयोजनों के लिए, कोई अभ्यर्थी किसी राजनैतिक दल द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी तभी और केवल तभी समझा जायेगा,

- (क) उस अभ्यर्थी ने इस आशय की घोषणा अपने नाम निर्देशन पत्र में कर दी हो;
- (ख) उस आशय की लिखित सूचना अभ्यर्थिता वापस लेने की अंतिम तारीख को 3 बजे अपराह्न के पश्चात् निर्वाचन-क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर को परिदत्त कर दी गई हो;
- (ग) उक्त सूचना दल के अध्यक्ष, सचिव अथवा किसी अन्य पदाधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित हो तथा ऐसा अध्यक्ष, सचिव अथवा अन्य पदाधिकारी दल द्वारा ऐसी सूचना भेजने के लिए प्राधिकृत हो, और

(घ) ऐसे प्राधिकृत व्यक्ति का नाम और सूचना हस्ताक्षर निर्वाचन-क्षेत्र के रिटर्निंग आफिसर और राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी का अभ्यर्थितायें वापस लेने की अंतिम तारीख को 3 बजे अपराह्न तक न कि उसके पश्चात् से पूर्व सूचित कर दिए गए हों ।”;

4. और यतः, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 38 की संशोधित उप धारा (1) के अधीन रिटर्निंग आफिसर को उस अधिनियम की धारा 30 के खण्ड (ख) के अधीन नाम निर्देशनों की संवीक्षा के लिए नियत तारीख को उक्त अधिनियम की धारा 36 के अधीन नाम निर्देशनों की संवीक्षा के समय यह समाधान करना होगा कि क्या किसी अभ्यर्थी को किसी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय या राष्ट्रीय दल द्वारा विधिवत् खड़ा किया गया है या नहीं, जहां कि अभ्यर्थी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय या राष्ट्रीय दल द्वारा खड़े किए जाने का दावा करता है और जिसका नाम निर्देशन पत्र प्रस्तावक के रूप में निर्वाचन क्षेत्र के केवल एक निर्वाचक द्वारा हस्ताक्षरित हो, जिससे यह निर्णय लिया जा सके कि क्या उसका नाम निर्देशन वैध है अथवा नहीं ।

5. और यतः, नाम निर्देशन-पत्रों की संवीक्षा के समय, रिटर्निंग आफिसर के उक्त वर्णित समाधान के उद्देश्य से संबंधित राजनैतिक दल द्वारा उक्त अभ्यर्थी के सम्बन्ध में यह अधिकारिक सूचना कि उसे उस दल ने खड़ा किया है, नाम निर्देशन-पत्रों की संवीक्षा के लिए नियत तारीख से काफी पहले पहुँच जानी चाहिए ।

6. अतः अब, निर्वाचन आयोग ने यह निश्चय किया है कि निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आबंटन) आदेश, 1968 के पैरा 13 के खण्ड (ख) और (ग) में संदर्भित, दल की सूचना और उक्त पैरा 13 के खण्ड (घ) में संदर्भित दल के प्राधिकृत व्यक्ति का नाम और नमूना-हस्ताक्षर निर्वाचन-क्षेत्र के रिटर्निंग आफिसर और राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पास, नाम निर्देशन करने की अंतिम तारीख को, जैसा कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 30 के खण्ड (क) के अधीन नियत है, 3 बजे अपराह्न से पूर्व पहुँच जाने चाहिए ।

7. परिणाम-स्वरूप, निर्वाचन आयोग, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 33 और 52 के साथ पठित संविधान के अनुच्छेद 324 और निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 5 और 10 के अधीन शक्तियों और इस निमित्त इसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आबंटन) आदेश 1968 में और संशोधन करने के लिए, एतद्वारा निम्नलिखित आदेश करता है, अर्थात्,

1. छोटा नाम और प्रारंभ :—इस आदेश को निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आबंटन) (संशोधन) आदेश, 1996 कहा जाएगा,

2. निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आबंटन) आदेश, 1968 के पैरा 13 में संशोधन :—निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आबंटन) आदेश, 1968 के विद्यमान पैरा 13 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

“ 13 कोई अभ्यर्थी किसी राजनैतिक दल द्वारा खड़ा किया गया कब माना जाएगा :—इस आदेश के प्रयोजन के लिए किसी अभ्यर्थी को किसी राजनैतिक दल द्वारा खड़ा किया तभी और सिर्फ तभी माना जाएगा यदि

- (क) अभ्यर्थी ने अपने नामांकन-पत्र में इस आशय की घोषणा की हो;
- (ख) इस आशय की एक लिखित सूचना, उस निर्वाचन-क्षेत्र के रिटर्निंग आफिसर और राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को नाम निर्देशन करने के अंतिम तारीख को 3 बजे अपराह्न से पूर्व दे दी गई है;
- (ग) उक्त सूचना पर दल के अध्यक्ष, सचिव या किसी अन्य पदाधिकारी के हस्ताक्षर हैं और अध्यक्ष, सचिव या ऐसा अन्य पदाधिकारी ऐसी सूचना भेजने के लिए दल द्वारा प्राधिकृत किया गया है; और
- (घ) ऐसे प्राधिकृत व्यक्ति का नाम और नमूना-हस्ताक्षर निर्वाचन-क्षेत्र के रिटर्निंग आफिसर और राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को नाम निर्देशन करने की अंतिम तारीख को 3 बजे अपराह्न से पूर्व सूचित कर दिए गए हैं ” ।

[सं. 56/96(14)/न्याय-II]

आदेश से,

सुरेन्द्र मैदीरठा, प्रधान सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th August, 1996

O. N. 203(E).—Whereas, sub-section (1) of Section 33 read with the Explanation to Section 52 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), as amended by the Representation of the People (Amendment) Act, 1996 (21 of 1996), provides that a candidate who is not set up by a recognised political party shall not be deemed to be duly nominated for election

from a Parliamentary or Assembly Constituency unless his nomination paper is subscribed by ten proposers being electors of the constituency;

2. And whereas, the effect of the above amendment made to sub-section (1) of section 33 of the Representation of the People Act, 1951 is that in a Parliamentary or Assembly constituency the nomination of a candidate, who is set up either by a recognised National party or by a recognised State party, in the State or States in which it is so recognised as a State party, shall be required to be subscribed only by one elector of the constituency as proposer;

3. And whereas, paragraph 13 of the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968 lays down as to when a candidate shall be deemed to be set up by a political party, including the recognised National and State parties, at an election in a Parliamentary or Assembly Constituency and provides as follows :—

“13. When a candidate shall be deemed to be set up by a political party.—For the purpose of this Order, a candidate shall be deemed to be set up by a political party if, and only if,—

- (a) the candidate has made a declaration to that effect in his nomination paper;
- (b) a notice in writing to that effect has, not later than 3 p.m. on the last day of withdrawal of candidatures, been delivered to the returning officer of the constituency;
- (c) the said notice is signed by the President, the Secretary or any other office bearer of the party and the President, Secretary or such other bearer is authorised by the party to send such notice; and
- (d) the name and specimen signature of such authorised person are communicated to the Returning Officer of the constituency and to the Chief Electoral Officer of the State, not later than 3 p.m. on the last date for withdrawal of candidature.”;

4. And whereas, under the amendment sub-section (1) of section 33 of the Representation of the People Act, 1951, the Returning Officer shall have to be satisfied at the time of the scrutiny of nominations under section 36 of the said Act on the date appointed for the scrutiny of nominations under clause (b) of Section 30 that Act whether a candidate has been duly set up by a recognised National or State party or not, where a candidate claims to have been so set up by a recognised National or State party and whose nomination paper is subscribed only by one elector of the constituency as proposer, so as to decide whether his nomination is valid or not;

5. And whereas, for the purposes of the aforesaid satisfaction of the Returning Officer at the time of scrutiny of nomination papers, the official intimation from the concerned political party in relation to the said candidate as having been set up by that party must be received by him well before the fixed for the scrutiny of nomination papers;

6. Now, therefore, the Election Commission has decided that the notice from the party referred to in clauses (b) and (c) of paragraph 13 of the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968 and the name and specimen signature of the authorised person of the party referred to in clause (d) of the said paragraph 13 must reach the Returning Officer of the constituency and the Chief Electoral Officer of the State not later than 3 p.m. on the last date for making nominations as appointed under clause (a) of Section 30 of the Representation of the People Act, 1951.

7. Consequently, the Election Commission, in exercise of the powers under Article 324 of the Constitution read with sections 33 and 52 of the Representation of the People Act, 1951 and Rules, 5 and 10 of the Conduct of Elections Rules, 1961 and all other powers enabling it in this behalf, hereby makes the following Order to further amend the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968, namely :—

1. Short title and Commencement.—This order may be called the Election Symbols (Reservation and Allotment) (Amendment) Order, 1996.

2. Amendment to para 13 of the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968.—For the existing para 13 of the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968, the following para shall be substituted :—

“13. When a candidate shall be deemed to be set up by a political party.—For the purposes of this Order, a candidate shall be deemed to be set up by a political party if, and only if :—

- (a) the candidate has made a declaration to that effect in his nomination paper;
- (b) a notice in writing to that effect has, not later than 3 p.m. on last date for making nominations, been delivered to the Returning Officer of the constituency and the Chief Electoral Officer of the State;
- (c) the said notice is signed by the President, the Secretary or any other office bearer of the party and the President, Secretary or such other office bearer is authorised by the party to send such notice; and
- (d) the name and specimen signature of such authorised person are communicated to the Returning Officer of the constituency and to the Chief Electoral Officer of the State, not later than 3 p.m. on the last date for making nominations.”

[No. 56/96(14)-Judl.-II]

By Order,

S. K. MENDIRATTA, Principal, Secy.

